शिवाभिषेक कर राष्ट्रोत्थान के लिए हुई सामूहिक प्रार्थना

रुद्राभिषेक

हरिद्वार। **संवाददाता**

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर में अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी ने शिवाभिषेक कर कल्याणकारी चिंतन एवं राष्ट्र की विकास हेतु प्रार्थना की। अमेरिका, कनाडा, दुबई सहित विभिन्न देशों से आये अतिथियों एवं गायत्री परिवार के हजारों शिवभक्तों के प्रतिनिधि के रूप में प्रमुखद्वय ने रुद्राष्टक, महाकालाष्टकम, पुरुष सूक्त व अन्य वैदिक कर्मकांड के साथ पूजन किया।

इस मौके पर देवसंस्कृति विवि के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि शिव की साधना के नाम पर ही लोग अशिव आचरण करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर सामूहिक पर्वायोजन के माध्यम से फैली हुई भ्रांतियों का निवारण करते हुए शिव की गरिमा के अनुरूप उसके स्वरूप पर जन आस्थाएँ स्थापित की जानी चाहिए, ताकि व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से पुण्य अर्जन और समाज कल्याण की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। देसंविवि की कुलसंरक्षिका शैलदीदी ने महाशिवरात्रि पर्व को अपने अंदर एक महाकाल जगाने का महापर्व बताया।

प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक करते हुए।

सीएम ने सांसद बलूनी से भेंट कर उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की

सीएम त्रिवेंद्र सांसद बलूनी से भेंट करते हुए।

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने नई दिल्ली में राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उनके जल्द पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

देहरादून की एक ब्रेड फैक्ट्री में लगी आग

छह लोगों को किया गया रेस्क्यू

हादसा

संवाददाता

देहरादून। पटेलनगर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक ब्रेड फैक्ट्री में शुक्रवार तड़के आग लग गई। उस वक्त फैक्ट्री में सात कर्मचारी मौजूद थे, जो सबसे ऊपरी मंजिल में सो रहे थे। कर्मचारियों को आग का पता तब चला, जब एक के बाद एक सिलेंडर फटने शुरू हुए। कर्मचारियों ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी।

आग इतनी विकराल थी कि उसपर पूरी तरह काबू पाने में दमकल की सात गाड़ियों को करीब साढ़े पांच घंटे लग गए। तब तक फैक्ट्री का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। फायर ब्रिगेड की टीम ने फैक्ट्री में फंसे सभी कर्मचारियों को सकुशल बाहर निकाल लिया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

पटेलनगर कोतवाली के प्रभारी सूर्यभूषण नेगी ने बताया कि पटेलनगर में रिलायंस फूड प्रोसेसिंग ब्रेड फैक्ट्री है। जिसमें ब्रेड, बन और रस बनाए जाते हैं। फैक्ट्री के पहले और दूसरे फ्लोर पर भट्ठियां हैं, जहां ब्रेड, बन और रस बनाने का काम होता है। इन भट्ठियों को हीट करने के लिए ग्राउंड फ्लोर में सिलेंडर लगाए गए है,। जिनसे गैस पाइप के जरिये भट्ठियों तक पहुंचाई जाती है। इसके बाद तीसरे फ्लोर पर स्टोर है। यहीं कर्मचारियों के सोने की भी व्यवस्था है।

गुरुवार रात फैक्ट्री में मौजूद सभी सात कर्मचारी तीसरे फ्लोर पर सो रहे थे। तड़के किसी समय ग्राउंड फ्लोर में आग लग गई। जो कुछ ही देर में सिलेंडरों तक पहुंच गई। इससे सिलेंडर फटने लगे। धमाकों की आवाज सुनकर कर्मचारियों की नींद खुली तो उन्होंने खुद को आग से घिरा पाया। सिलेंडरों के फटने से आग विकराल हो गई थी। श्रमिकों ने मदद के लिए काफी चीख–पुकार की, मगर उनकी आवाज किसी तक नहीं पहुंची।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तड़के करीब साढ़े तीन बजे किसी कर्मचारी ने कंट्रोल रूम को फोन कर आग लगने की सूचना दी। तत्काल यह जानकारी अग्निशमन विभाग को दी गई। करीब पांच मिनट बाद दमकल की टीम फैक्ट्री पहुंच गई। तब तक आग फैक्ट्री के दूसरे फ्लोर तक पहुंच चुकी थी और तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही थी। आग और धुएं के कारण श्रमिकों का दम घुट रहा था। आग के कारण फैक्ट्री के अंदर से ऊपर नहीं जाया जा सकता था। ऐसे में अग्निशमन कर्मियों ने सीढ़ी लगाकर आग के बीच फंसे सातों श्रमिकों को बाहर निकाला। तड़के 3:35 बजे पहुंची दमकल की टीम सुबह नौ बजे आग को बुझा पाई। टीम में 24 दमकलकर्मी मौजूद थे।

फैक्ट्री से दून के कैंट एरिया और अधिकतर शैक्षणिक संस्थाओं को ब्रेड व अन्य खाद्य सामग्री सप्लाई होती है। इसके अलावा शहर के कई दुकानदार भी फैक्ट्री से ब्रेड ले जाते हैं। जो भी ब्रेड खरीदने के लिए आया, वह फैक्ट्री की स्थिति देखकर हैरान रह गया।

लगातार छह धमाकों से सहम गए लोग

घटना के वक्त फैक्ट्री में करीब एक दर्जन सिलेंडर थे। जिनमें से छह सिलेंडर एक के बाद एक फटे तो धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के प्रतिष्ठानों में मौजूद कर्मचारी व अन्य लोग सहम गए। सभी तत्काल बाहर की तरफ भागे। ब्रेड फैक्ट्री में भीषण आग देखकर लोगों के पांव तले जमीन खिसक गई। गनीमत रही कि सिलेंडर बाहर की तरफ रखे थे, वरना पहले फ्लोर की छत भी फट सकती थी।

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे वन गुर्जर

संवाददाता

देहरादून। देश की आजादी के 70 दशकों बाद भी प्रदेश में कई ऐसे गांव हैं, जो आज भी विकास की राह ताक रहे हैं। कुछ ऐसा ही हाल वन गुर्जरों का भी है, जो सरकार की उदासीनता का दंश झेलने को मजबूर हैं। ऐसा ही हाल सरकार की नजरअंदाजी का शिकार हुए कुल्हाल ग्राम पंचायत की धौलातप्पड़ बस्ती का है। जहां लोग शौचालय, पक्के आवास और चिकित्सा सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहे हैं।

धोलातप्पड बस्ती में रहने वाले लगभग 60 परिवार मूलभूत सुविधाओं की आस लगाए बैठे हैं। वहां एक उबड़ खाबड़ मार्ग है, इस वजह से यहां के लोगों की रोजमर्रा के काम भी प्रभावित होते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस रास्ते पर सफर तय करने के दौरान कई बार यहां के लोग हादसे का शिकार भी हो चुके हैं। 40 सालों से भी अधिक समय से यहां पर रहने वालों को अभी तक उनका हक नहीं मिल पाया है।

वन विभाग द्वारा दी गई भूमि पर उनका कोई मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। लोगों का कहना है कि यहां पर छोटे बड़े नेता भी सिर्फ चुनाव के दौरान केवल वोट के लिए आश्वासन देने आते हैं। वोट मिलने के बाद कोई सुध नहीं लेता है। बिजली, पानी, सड़क सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित लोग मेहनत मजदूरी और पशुपालन के जरिए अपनी आजीविका चलाने को मजबूर हैं।

ग्राम प्रधान मोहम्मद सलीम का कहना है कि वो भी लंबे समय से वन गुर्जरों की इस समस्या को लेकर प्रयास करते आ रहे हैं। लेकिन, धोलातप्पड़ बस्ती के लोगों के लिए कोई विकास का काम नहीं हो पाया है।

विकास की राह ताकता गुर्जर परिवार।

बर्फ की आगोश में समाया है फूलों का अद्भुत संसार

संवाददाता जोशीमठ। उत्तराखंड के चमोली जिले में बसा है फूलों का अद्भुत संसार, जो बरबस ही पर्यटकों को अपनी ओर खींच लाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता भागदौड़ भरी जिंदगी को काफी सुकून पहुंचाती है। हालांकि, अभी फूलों का ये अद्भुत संसार बर्फ के आगोश में समाया हुआ है और यहां पैदल मार्ग पर बने हिमखंड किसी चुनौती से कम नहीं है। एक जून से घाटी पर्यटकों के लिए खोली जानी है, लिहाजा वन विभाग की पूरी कोशिश है कि तबतक पैदल मार्ग को पूरी तरह से खोल दिया जाए। विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी में बीते साल रेकॉर्ड पर्यटक पहुंचे थे। लिहाजा, इस साल भी पर्यटकों की संख्या अच्छी–खासी होने की उम्मीद है। इससे स्थानीय पर्यटन कारोबारी भी उत्साहित हैं। बता दें कि इस साल भारी से भारी बर्फबारी के चलते घाटी में नौ फीट से अधिक बर्फ जमी है। पूरी फूलों की घाटी बर्फ के आगोश में समाई हुई है। आलम यह है कि यहां पर दुर्लभ प्रजाति के वन्य जीवों के लिए शीतकाल में रहने के लिए प्राकृतिक आवास भी बर्फ से लबालब हो गए हैं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

न्यूज डायरी

पुरुष भी हो रहे पत्नियों के उत्पीड़न के शिकार, हेल्प लाइन पर लगा रहे गुहार

(संवाददाता) रुद्रपुर। समाज में यह एक आम धारणा बनी है कि पुरुष या पति कभी घरेलू हिंसा का शिकार नहीं हो सकता है। घरेलू हिंसा जैसा शब्द सिर्फ महिलाओं के साथ जुड़ सकता है। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। यह हम नहीं कह रहे, आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं। जी हां औद्योगिक नगरी ऊधमसिंहनगर में घरेलू हिंसा का शिकार सिर्फ महिलाएं ही नहीं ही बल्कि पुरुष भी हो रहे हैं। वह पत्नियों से खुद को बचाने के लिए महिला हेल्प लाइन पर कॉल कर गुहार लगा रहे हैं। पुलिस आंकड़ों की बात करें तो पांच साल में महिला हेल्प लाइन पर आईं 3428 शिकायतों में से 721 शिकायतें पुरुषों की हैं।

गीता के ज्ञान योग से अभिभूत हुए देसंविवि विद्यार्थी

(संवाददाता) हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि इस धरती में ज्ञान सबसे अधिक पवित्र है। ज्ञान वह है जो आचरण में जिया जाता है। ज्ञान से ही मनुष्य अन्य प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के मृज्युंजय सभागार में आयोजित गीतामृत की विशेष सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सद्ज्ञान से अहंकार को गलाया जा सकता है और ज्ञान (विवेक)से अनेक समस्याओं का निराकरण किया जा सकता है। सभ्यता एवं मनुष्य जीवन का बोध ज्ञान की देन है। संस्कारों को विकसित करने का काम ज्ञान से ही होता है। भारतीय संस्कृति में ज्ञान को जीवन का सर्वोत्कृष्ट माना गया है। गीता से संबंधित कई पुस्तकों के लेखक कुलाधिपति ने डॉ. पण्ड्या ने कहा कि ज्ञान से ही मनुष्य की बौद्धिक क्षमता, भावनात्मक स्थिरता एवं आध्यात्मिक विकास होता है।

वेस्टसाइड ने देहरादून में शुरू किया नया स्टोर

(संवाददाता) देहरादून। भारतीयों के पसंदीदा फैशन डेस्टिनेशन टाटा परिवार के वेस्टसाइड ने देहरादून में अपना नया स्टोर शुरू किया है। वेस्टसाइड का नया स्टोर यहां के ग्राहकों को खरीदारी का नया, आधुनिक अनुभव प्रदान करेगा। इस स्टोर के साथ अब पुरे देशभर में वेस्टसाइड स्टोर्स की कुल संख्या 164 हो गई है। देहरादून के नया वेस्टसाइड स्टोर बल्लूपुर फ्लाईओवर, चकराता रोड, देहरादून, कई प्रकार के कपड़ें, एक्सेसरीज, कॉस्मेटिक्स और फुटवेअर की सबसे अच्छी खरीदारी अब एक ही स्टोर करने की संतुष्टि और खुशी रायपुर वासियों को मिलने वाली है।